राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिलाए प्रत्येक क्षेत्र में आगे मगर अधिकतर महिलाए अब भी शोषण की हो रही शिकार: डेजी

August 29, 2021 / State News

शिमला।

राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिलाए प्रत्येक क्षेत्र में आगे है, लेकिन अधिकतर महिलाए अब भी सामाजिक उपेक्षा व शोषण की शिकार है। यह बात महिला आयोग की अध्यक्ष डा डेजी ठाकुकर ने शनिवार को संजौली कॉलेज में दो दिवसीस स्त्री विरूद्ध अपराध विषय पर आयोजित कार्यशाला के समापन अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि वास्तव में महिला को समान अधिकार व सम्मान सामाजिक सोच पर निर्भर करता है और यह सोच पहले परिवार में बननी चाहिए तभी समाज बदलेगा। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. सी.बी मेहता ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से यह संगोष्ठी सफलता पूर्वक समपन हुई। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में करीब 25 पत्र प्रस्तुत किए गए जिसमें किशोरी चंदेल, सपना पंडित, देवकन्या ठाकुर, प्रेम भारद्वाज, साक्षी, अनुपमा सिंह आदि ने पत्र पढ़े। पत्रों का मूल विविध क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति का विश£ शण रहा। वहीं इन पत्रों का निष्कर्ष था कि महिलाओं की समानता के लिए महिलाओं व पुरूषों दोनों को अपना नजरिया बदलना होगा। हमारी परंपराए, प्रथाए, रूढियां और पुरूषत्मकता की सोच जब तक स्त्री पुरूष के लिए समान नहीं हुई तब तक समानता नहीं आ सकती है। समग्र नियम और कानून लिंग भेद के हिसाब से न बने बल्कि एक जैसे हो। स्त्री पुरूष को लिंग भेद के हिसाब से विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। समाज में स्त्री के विकास के लिए पुरूष और स्त्री दोनों को आगे आना चाहिए। इस संगोष्ठी में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो दिन तक चले इस आयोजन में कोरोना नियमों का अनुपालन करते हुए विषय सापेक्ष चर्चा की गई।

अमर उजाला शिम

समाज की सोच बदलने से रुकेंगे महिला के प्रति अपराध : सौम्या

शिमला। आईपीएस अधिकारी सौम्या साम्बशिवन ने कहा कि समाज की जब तक महिलाओं के प्रति सोच नहीं बदलेगी तब तक इनके प्रति अपराध भी कम नहीं हो सकते। सामाजिक जागरूकता लाने की जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस संजौली कॉलेज में महिलाओं के प्रति अपराध विषय पर शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए साम्बशिवन ने कहा कि पुलिस सिर्फ महिलाओं पर होने वाले अपराध को रोकने के लिए सुरक्षा क्वच के रूप में काम कर सकती हैं।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में शरीक हुई विश्वविद्यालय के इवनिंग स्टडीज विभाग की अध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी पाल ने महिलाओं के प्रति समाज की कुंठित मानसिकता के उदाहरण दिए। संगोष्ठी के प्रारंभिक सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में शरीक हुई मंजू जैदका, प्रो. रोशन शर्मा, प्रो. पूजा प्रियंबदा ने महिलाओं के सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक स्थिति और स्वीकृति पर व्याख्यान दिए। संजौली कॉलेज प्राचार्य डॉ. सीबी मेहता ने सभी प्रतिभागियों और वक्ताओं का स्वागत किया। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में दिनेश शर्मा, मनोरमा शर्मा, सान्या कुमारी, शारदा देवी, दीक्षा, अधिराज और राजकुमारी ने पहले दिन पत्र वाचन किया। ब्यूरो

खबर NOW

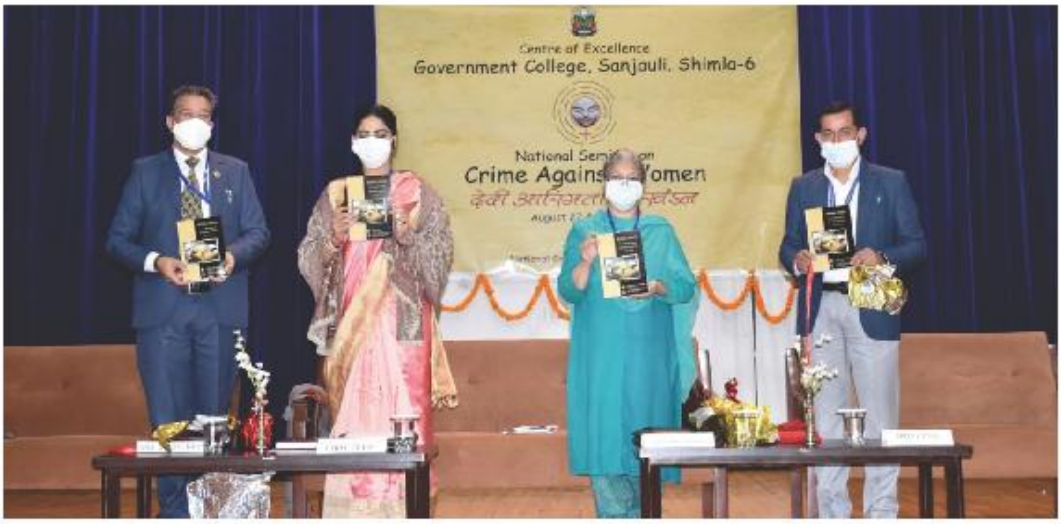

संजौली महाविद्यालय में "स्त्री-विरुद्ध अपराध" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, उत्तर भारत के विद्वान, प्राध्यापक एवं शोधकर्ता रखेंगे विचार

Posted By: uscreative on: August 27, 2021 In: Uncategorized No Comments

शिमला: शिक्षा और प्रशिक्षण की राह पर महाविद्यालयों की भूमिका बेहद अहम रही है। महाविद्यालय न केवल व्यक्ति को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के संस्थान हैं, इससे भी अधिक महाविद्यालय ज्ञान वर्धन व चारित्रिक निर्माण के द्वारा नव पढ़ी की दिशा तय करने के भी केन्द्र बन सकते हैं। और यहां महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं महाविद्यालय में होने वाले वो कार्यक्रम और संगोष्ठीयां जिनके द्वारा छात्रों का नए तथ्य विचारों और नए नजरिए से तारूफ होता है। राजकीय महाविद्यालय संजौली में 27 और 28 अगस्त 2021 को 'स्त्री-विरुद्ध अपराध: देवी अस्मिता का खंडन' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उत्तरी भारत के विद्वान, प्राध्यापक एवं शोधकर्ता पत्र वाचन करेंगे।

महाविद्यालय के अकादमिक विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण: डॉ. सी० बी० मेहता

प्राचार्य डॉ. सी० बी० मेहता के अनुसार करीब दो वर्षों के लम्बे अन्तराल के बाद इस तरह का बड़ा कार्यक्रम हो रहा है, जो महाविद्यालय में अकादमिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके अनुसार दो दिनों तक अलग-अलग कक्ष में पत्र वाचन होगा और पूरे आयोजन में कोविड नियमों की अनुपालना की जाएगी। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सांध्य महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर मीनाक्षी पॉल, एस०पी० सैम्या साम्बासीवन, प्रोफेसर मंजू जैदका, प्रोफेसर रेशन शर्मा और प्रोफेसर पूजा प्रियंवदा मुख्य वक्ता होंगे, जो संगोष्ठी के आधार विषय को विभिन्न प्रतिमानों और अवधारणाओं के साथ स्पष्ट करते हुए व्याख्यान देंगे। उसके उपरान्त तकनीकी सत्रों में सम्बन्धित विषयों पर उपस्थित प्रतिभागी पत्र प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्रतिभागियों का पत्र वाचन तथा दोपहर बाद समापन कार्यक्रम होगा, जिसमें संगोष्ठी के निष्कर्ष के साथ पूरा विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। समापन कार्यक्रम में महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ ठेज़ी ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी।

Tuesday, October 12, 2021

ENGLISH | E-MAGAZINE

State News
Himachal

होम / Himachal / जब तक सामाजिक सोच नहीं बदलेगी तब तक स्त्री विरूद्ध अपराध नहीं थमेंगे: सौम्या

जब तक सामाजिक सोच नहीं बदलेगी तब तक स्त्री विरूद्ध अपराध नहीं थमेंगे: सौम्या

August 28, 2021 / State News

शिमला।

जब तक सामाजिक सोच नहीं बदलेगी तब तक स्त्री विरूद्ध अपराध नहीं थमेंगे। यह बात संजौली महाविद्यालय में दो दिवसीय स्त्री विरूद्ध अपराध विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आई.पी.एस सौम्या सांबशिवन ने कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागृति का सबसे ज्यादा दायित्व अध्यापकों का है, जबकि पुलिस एक सुरक्षा कवच के रूप में काम करती है। वहीं मुख्य वक्ता प्रोफेसर मीनाक्षी पॉल ने ऐसे उदाहरण सांझा किए जिनमें स्त्री के प्रति समाज की कुंठित मानसिकता नजर आती है। यही नकारात्मक सोच स्त्री पुरुष में लिंग भेद करती है। बेटी के जन्म से लेकर [illegible] तक यदि उसके परिवार से समाज तक भेद भाव न किया जाए तभी स्त्री-पुरुष में असमानता खत्म हो सकती है। संगोष्ठी के प्रारंभिक सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर मंजू जैदका, प्रोफेसर रोशन शर्मा, प्रोफेसर पूजा [illegible] ने स्त्री के सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति और चुनौतियों पर विस्तृत व्याख्यान दिये। इसमें इक्कीसवीं सदी में भारतीय समाज में स्त्री की वास्तविक स्थिति का रेखांकन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का महाविद्यालय के प्राचार्य डा. [illegible] मेहता ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि [illegible] आयोजित इस संगोष्ठी में बाहर से आये विद्वानों और शोधकर्ताओं द्वारा जो पत्र पढ़े जाएंगे। उससे स्त्री विषयक सामाजिक धारणाओं का स्पष्टीकरण होगा। सामाजिक सोच को बदलने और निर्धारित करने में सार्थक भूमिका निभाएगा। तकनीकी सत्र में शुक्रवार को दिनेश शर्मा, मनोरमा शर्मा, सपना कुमारी, शारदा देवी, दीक्षा, अभिलाष, राजकुमारी आदि लगभग 30 प्रतिभागियों ने पत्र वाचन किया। शनिवार को प्रथम सत्र में पत्र वाचन होगा और सांयकालीन सत्र में संगोष्ठी का समापन होगा।

Post Views: 265

Like us share us

State News Himachal

राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिलाए प्रत्येक क्षेत्र में आगे मगर अधिकतर महिलाए अब भी शोषण की हो रही शिकार: डेजी

August 29, 2021 / State News

शिमला।

राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिलाए प्रत्येक क्षेत्र में आगे है, लेकिन अधिकतर महिलाए अब भी सामाजिक उपेक्षा व शोषण की शिकार है। यह बात महिला आयोग की अध्यक्ष डा डेजी ठाकुर ने शनिवार को संजौली कॉलेज में दो दिवसीस स्त्री विरूद्ध अपराध विषय पर आयोजित कार्यशाला के समापन अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि वास्तव में महिला को समान अधिकार व सम्मान सामाजिक सोच पर निर्भर करता है और यह सोच पहले परिवार में बननी चाहिए तभी समाज बदलेगा। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. सी.बी मेहता ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से यह संगोष्ठी सफलता पूर्वक समपन हुई। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में करीब 25 पत्र प्रस्तुत किए गए जिसमें किशोरी चंदेल, सपना पंडित, देवकन्या ठाकुर, प्रेम भारद्वाज, साक्षी, अनुपमा सिंह आदि ने पत्र पढ़े। पत्रों का मूल विविध क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति का विश£ेशण रहा। वहीं इन पत्रों का निष्कर्ष था कि महिलाओं की समानता के लिए महिलाओं व पुरूषों दोनों को अपना नजरिया बदलना होगा। हमारी परंपराए, प्रथाए, रूढियां और पुरूषत्मकता की सोच जब तक स्त्री पुरूष के लिए समान नहीं हुई तब तक समानता नहीं आ सकती है। समग्र नियम और कानून लिंग भेद के हिसाब से न बने बल्कि एक जैसे हो। स्त्री पुरूष को लिंग भेद के हिसाब से विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। समाज में स्त्री के विकास के लिए पुरूष और स्त्री दोनों को आगे आना चाहिए। इस संगोष्ठी में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो दिन तक चले इस आयोजन में कोरोना नियमों का अनुपालन करते हुए विषय सापेक्ष चर्चा की गई।

Post Views: 236

Like us share us